बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहीम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

पंजाब केसरी
— www.PunjabKesari.com —

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब केसरी) : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का का आयोजन शीतला कालोनी क्षेत्र में किया गया, जिसमें गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय शैली में हनुमान चालीसा का पाठ किया। क्षेत्र में श्रीमदभागवत कथा का आयोजन भी चल रहा था, जिसमें आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री कथा का वृतांत सुना रहे थे। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने बताया कि आयोजन में शामिल करीब 600 लोगों ने सामूहिक रुप से हनुमान चालीसा का पाठ कर अपनी आस्था का परिचय दिया। करीब 6 माह पूर्व शुरु की गई मुहिम के तहत गत सप्ताह तक 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ हो चुके थे। मंगलवार को 600 साधकों द्वारा 21-21 बार पाठ किया गया, जिसका कुल योग 12600 रहा। अब तक 2 लाख 77 हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। इसी मुहिम में अब तक 17350 साधक अपना योगदान दे चुके हैं। बोधराज सीकरी ने कहा कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने कहा कि हनुमान जी की भांति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने आपको राष्ट्र के प्रति समर्पित कर दिया है। जो अपनी कर्मठ और ईमानदार कार्यशैली से देश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं। सीकरी ने राष्ट्रीय ध्वज के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने रंगों, अशोक चक्र आदि का महत्व समझाया। लोगों ने बोधराज सीकरी के वक्तव्य को बड़े ध्यान से सुना। उन्होंने बताया कि हर मंगलवार की तरह श्री जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने शाम की बैठक में 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। कल दिनांक 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ। जहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छः घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उत्पन्न हो रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। 8 बजे से 8-30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहाँ बैठे युवा को पुनः स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे

जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। तिरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है।

सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियाँ कर्म परायणता का प्रतीक हैं।

नये भारत का अखबार

गुड़गांव मेल

हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 16 अगस्त। स्वतंत्रता ‌दिवस के पावन दिन मंगलवार होने ‌ के कारण हनुमान चालीसा पाठ का ‌ंगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाई की ‌धुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, ‌रुग्राम में भव्य आयोजन हुआ। ‌हां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से ‌ाचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन ‌ाले के माध्यम से भागवत सप्ताह ‌ल रहा था।

गुरुग्राम शहर में हनुमान चालीसा ‌ाठ अभियान का संचालन कर रहे ‌ोधराज सीकरी के कथनानुसार ‌रंतर 600 लोगों का एक स्थान पर ‌: घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम ‌ कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन ‌ ईश्वर के प्रति कितना भाव उतपन्न ‌ रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री ‌जेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के ‌परांत हनुमान चालीसा पाठ का ‌ुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 ‌जे हुआ। 8 बजे से 8:30 बजे के ‌ीच में श्री बोधराज सीकरी ‌माजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह ‌र्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहाँ बैठे युवा को पुन: स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक

राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे

जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। तिरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियाँ कर्म परायणता का प्रतीक हैं। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रगान के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने वहां पर इतने भव्य आयोजन, इतने भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए वहां के भक्तों ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन गद्गद हो गया है। कि मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु वहां पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना यद्यपि इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कालोनी के पुरोहित हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनकी विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी। देखने के लायक दृश्य था किस प्रकार श्रद्धालु गण पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित गया तो वो दिन दूर नहीं जब हम राष्ट्र विश्व गुरु होगा।

इसके अतिरिक्त हर मंगल की तरह श्री जामपुर शिव मंदिर ‌ ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने ‌ की बैठक में 5-5 बार हनु‌ चालीसा का पाठ किया। कुल सं‌ 300 हुई जिसे उपरोक्त संख्या ‌ जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख ‌ हजार 900 हो गया। कुल लोगों ‌ अब तक की मुहिम में भागी‌ 17410 हो गई।

इस अवसर पर डॉ अलका श‌ गजेन्द्र गोसाई, रमेश काम‌ ज्योत्सना बजाज, रचना बज‌ संतोष पाहुजा, पूनम गोसाई, पू‌ नासा, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका ‌ मक्कड़, सीमा शर्मा, शानो पाहु‌ रणधीर टंडन व यजमान की सूची‌ पंडित भीम दत्त, राजिंदर, प्रदीप, ‌ सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुके‌ धनीराम गुप्ता, बी 2 गली, शीत‌ माता कॉलोनी के सभी निव‌ उपस्थित रहे।

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

सबसे तेज... सबसे आगे

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

वर्ष : 15 अंक : 63 | भिवानी गुरूवार 17 अगस्त 2023 | मूल्य : 3.00 रूपये | कुल पृष्ठ : 8

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी में भव्य आयोजन हुआ। वहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। समाजसेवी बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छह घंटे बैठना सराहनीय कदम है। ह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उतपन्न हो रहा है। बोधराज सीकरी ने बताया कि लगभग सवा 6 बजे गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। बोधराज सीकरी ने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी। इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोडने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। इस अवसर पर डॉ. अलका शर्मा, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, संतोष पाहुजा, पूनम गोसाईं, पुष्पा नासा, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, सीमा शर्मा, शानो पाहुजा, रणधीर टंडन व यजमान की सूची में पंडित भीम दत्त, राजिंदर, प्रदीप, धूप सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकेश, धनीराम गुप्ता, बी-2 गली, शीतला माता कॉलोनी के सभी निवासी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सर्च

TITLE CODE :- HARHIN11545

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी युवा पीढ़ी अपने कर्तव्यों के प्रति हो सजग : बोधराज सीकरी

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। कल दिनांक 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ। जहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छः घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उतपन्न हो रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। 8 बजे से 8:30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहाँ बैठे युवा को पुन: स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है।

उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि "राम दुआरे तुम रखवारे होत न आज्ञा बिनु पैसारे" जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। तिरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियाँ कर्म परायणता का प्रतीक हैं। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रगान के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने वहां पर इतने भव्य आयोजन, इतने भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए वहां के भक्तों ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन गद्‌गद हो गया है। कि मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु वहां पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना।यद्यपि इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कालोनी के पुरोहित हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनकी विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी। देखने के लायक दृश्य था किस प्रकार श्रद्धालु गण पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित हो गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विश्व गुरु होगा।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

वीरवार | गुरुग्राम | दिनांक : 17/8/23

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

युवा पीढ़ी अपने कर्तव्यों के प्रति हो सजग : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ। जहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छः घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उतपन्न हो रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। 8 बजे से 8:30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21–21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहाँ बैठे युवा को पुनः स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

"राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे"

जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। तिरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियाँ कर्म परायणता का प्रतीक हैं। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रगान के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने वहां पर इतने भव्य आयोजन, इतने भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए वहां के भक्तों ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरी–भूरी प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन गदगद हो गया है। कि मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु वहां पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना।यद्यपि इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कालोनी के पुरोहित हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनकी विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी। देखने के लायक दृश्य था किस प्रकार श्रद्धालु गण पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित हो गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विश्व गुरु होगा।

इसके अतिरिक्त हर मंगलवार की तरह श्री जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने शाम की बैठक में 5–5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल संख्या 300 हुई जिसे उपरोक्त संख्या में जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख 77 हजार 900 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17410 हो गई। इस अवसर पर डॉ अलका शर्मा, गजेन्द्र गोसाई, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, संतोष पाहुजा, पूनम गोसाई, पुष्पा नासा, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, सीमा शर्मा, शानो पाहुजा, रणधीर टंडन व यजमान की सूची में: पंडित भीम दत्त, राजिंदर, प्रदीप, धूप सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकेश, धनीराम गुप्ता, बी 2 गली, शीतला माता कॉलोनी के सभी निवासी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 2, 77, 000 पार

हनुमान जी राष्ट्रभक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

भारत सारथी

गुरुग्राम। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ। जहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छ: घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उतपन्न हो रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। 8 बजे से 8:30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में

युवा पीढ़ी अपने कर्तव्यों के प्रति हो सजग : बोधराज सीकरी

2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि

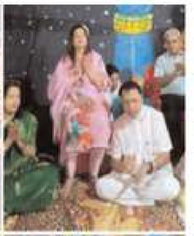

कृपया यहाँ बैठे युवा को पुन: स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें।

बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे

जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। तिरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियाँ कर्म परायणता का प्रतीक हैं। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रगान के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने वहां पर इतने भव्य आयोजन, इतने भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए वहां के भक्तों ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन गद्‌गद हो गया है। कि मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु वहां पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना यद्यपि इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कालोनी के पुरोहित हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनकी विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी। देखने के लायक दृश्य था किस प्रकार श्रद्धालु गण पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित हो गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमा राष्ट्र विश्व गुरु होगा।

इसके अतिरिक्त हर मंगलवा की तरह श्री जामपुर शिव मंदिर ईस् ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने शा की बैठक में 5-5 बार हनुमा चालीसा का पाठ किया। कुल संख 300 हुई जिसे उपरोक्त संख्या जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख 7 हजार 900 हो गया। कुल लोगों क अब तक की मुहिम में भागीदा 17410 हो गई।

इस अवसर पर डॉ अलका शर्मा गजेन्द्र गोसाई, रमेश कामरा ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज संतोष पाहूजा, पूनम गोसाई, पुष् नासा, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका ना मक्कड़, सीमा शर्मा, शानो पाहूजा रणधीर टंडन व यजमान की सूची में पंडित भीम दत्त, राजिंदर, प्रदीप, भू सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकेश धनीराम गुप्ता, बी 2 गली, शीतल माता कॉलोनी के सभी निवासी उपस्थित रहे।

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

हिन्दी दैनिक

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ। जहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छः घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उतपन्न हो रहा है। लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। 8 बजे से 8-30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहाँ बैठे युवा को पुनः स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें। श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे

जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी। तिरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक,

हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियाँ कर्म परायणता का प्रतीक हैं। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रगान के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने वहां पर इतने भव्य आयोजन, इतने भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए वहां के भक्तों ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन गद्गद हो गया है। कि मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु वहां पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना।यद्यपि इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कालोनी के पुरोहित हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनकी विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी। देखने के लायक दृश्य था किस प्रकार श्रद्धालु गण पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित हो गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विश्व गुरु होगा। इसके अतिरिक्त हर मंगलवार की तरह श्री जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने शाम की बैठक में 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल संख्या 300 हुई जिसे उपरोक्त संख्या में जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख 77 हजार 900 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17410 हो गई। इस अवसर पर डॉ अलका शर्मा, गजेन्द्र गोसाई, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, संतोष पाहुजा, पूनम गोसाई, पुष्पा नासा, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, सीमा शर्मा, शानो पाहुजा, रणधीर टंडन व यजमान की सूची में- पंडित भीम दत्त, राजिंदर, प्रदीप, धूप सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकेश, धनीराम गुप्ता, बी 2 गली, शीतला माता कॉलोनी के सभी निवासी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ह्यूमन इंडिया
हम बनेंगे आपकी आवाज

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी में भव्य आयोजन हुआ। वहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। समाजसेवी बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगों का एक स्थान पर छह घंटे बैठना सराहनीय कदम है। ह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उतपन्न हो रहा है।

बोधराज सीकरी ने बताया कि लगभग सवा 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। बोधराज सीकरी ने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी।

इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोडने. के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। इस अवसर पर डॉ. अलका शर्मा, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, संतोष पाहुजा, पूनम गोसाईं, पुष्पा नासा, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, सीमा शर्मा, शानो पाहुजा, रणधीर टंडन व यजमान की सूची में पंडित भीम दत्त, राजिंदर, प्रदीप, धूप सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकेश, धनीराम गुप्ता, बी-2 गली, शीतला माता कॉलोनी के सभी निवासी उपस्थित रहे।

Bodhraj Sikri की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 277000 पार

Viral Sach · August 16, 2023 · POLITICS · 5 minute read

Viral Sach : Bodhraj Sikri – 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाई की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ।

जहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृंदावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 800 लोगों का एक स्थान पर 8- घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगों के मन में ईश्वर के प्रति निरंतर भाव उत्पन्न हो रहा है।

लगभग सवा 8 बजे श्री गजेंद्र गोसाई ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 9 बजे हुआ। 9 बजे से 9.30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे।

800 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई। यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 800 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है।

गजेंद्र गोसाई ने अपने निष्कर्ष में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहाँ बैठे युवा को पुन: स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें।

श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारंभ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को बचा रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते हैं। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

"राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे"

जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार हैं, जो कर्तव्य हैं, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारों का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यों की पालना भी सीखनी होगी।

तिरंगे के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिल्लियाँ कर्म परायणता का प्रतीक हैं।

इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रगान के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, इन बातों का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने यहां पर इतने भव्य आयोजन, इतनी भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए यहां के भक्तों ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन गदगद हो गया है।

मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 90 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु यहां पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना।

यद्यपि इस आयोजन में बहुत से लोगों का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कालोनी के पुरोहित हैं और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी हैं उनकी विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी।

देखने के लायक दृश्य था किस प्रकार श्रद्धालु गण पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे हैं और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे हैं। इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित हो गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विश्व गुरु होगा।

इसके अतिरिक्त हर मंगलवार की तरह श्री जगन्नाथ शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने शाम की बैठक में 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल संख्या 300 हुई जिसे उपरोक्त संख्या में जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख 77 हजार 900 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17410 हो गई।

इस अवसर पर डॉ अलका शर्मा, गजेन्द्र गोसाई, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, संतोष पाहुजा, पूनम गोसाई, पुष्पा नासा, ओम प्रकाश गाबा, द्वारका नाथ मक्कड़, सीमा शर्मा, रानी पाहुजा, रणधीर टंडन व यजमान की सूची में, पंडित भीम दत्त, रजिंदर, प्रदीप, युव सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकेश, धनीराम गुप्ता, बी 2 गली, शीतला माता कॉलोनी के सभी निवासी उपस्थित रहे।

Bharat Sarathi
A Complete News Website

गुरुग्राम

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 2, 77, 000 पार ……….

हनुमान जी राष्ट्र भक्ति की अप्रतिम मिसाल : बोधराज सीकरी

युवा पीढ़ी अपने कर्तव्यों के प्रति हो सजग : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। कल दिनांक 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन दिन मंगलवार होने के कारण हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय तरीके श्री गजेंद्र गोसाईं की मधुर वाणी के साथ शीतला कॉलोनी, गुरुग्राम में भव्य आयोजन हुआ जहां पहले से ही निरंतर 7 दिनों से आचार्य ओमप्रकाश शास्त्री वृन्दावन वाले के माध्यम से भागवत सप्ताह चल रहा था। बोधराज सीकरी के कथनानुसार निरंतर 600 लोगो का एक स्थान पर छः घंटे बैठना इतना सराहनीय कदम है कि यह दर्शाता है कि लोगो के मन में ईश्वर के प्रति कितना भाव उत्पन्न हो रहा है। लगभग सायं 6 बजे श्री गजेंद्र गोसाईं ने मंगलाचरण के उपरांत हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। जिसका विश्राम 8 बजे हुआ। 8 बजे से 8:30 बजे के बीच में श्री बोधराज सीकरी समाजसेवी जिन्होंने लगभग 6 माह पूर्व हनुमान चालीसा के पाठ की मुहिम छेड़ी थी और इन 6 माह में 2 लाख 65 हजार से अधिक पाठ पिछले सप्ताह तक हो चुके थे। और 600 साधकों द्वारा मंगलवार के दिन 21-21 बार पाठ करने के उपरांत यह संख्या 12600 और बढ़ गई यानी अब तक पाठ की संख्या 2 लाख 77 हजार का आंकड़ा पार कर गयी है। इसी प्रकार पहले लगभग 16750 साधक इस महान यज्ञ के अंदर सम्मिलित हो चुके थे और इन 600 श्रद्धालुओं की गिनती को जोड़ने के उपरांत ये संख्या 17350 हो गई है। गजेंद्र गोसाईं ने अपने निवेदन में बोधराज सीकरी से प्रार्थना की कि आप हर मंगलवार को हनुमान चालीसा या रामचरितमानस के कुछ अंश लेकर उस पर व्याख्या करते हो लेकिन आज तो स्वतंत्रता दिवस है इसलिए मेरी सीकरी जी प्रार्थना है कि कृपया यहां बैठे युवा को पुनः स्वतंत्रता दिवस के बारे में राष्ट्र के बारे में ज्ञान दें और मार्गदर्शन दें।

श्री बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में प्रारम्भ में ही कह दिया कि पूरे विश्व के अंदर हनुमान जी से अधिक राष्ट्र भक्त कौन हो सकता है। उन्होंने हनुमान जी की तुलना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के साथ कर दी कि उन्होंने भी अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर रखा है और हनुमान जी ने अपने इष्ट देव भगवान राम को और उनकी अयोध्या नगरी को कर रखा है। वो भी चौकीदारी करते थे और नरेंद्र भाई मोदी भी अपने आप को चौकीदार बताते है। हनुमान चालीसा में स्पष्ट लिखा है कि

"राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे"

जैसे हनुमान जी की आज्ञा के बिना कोई राम दरबार में नहीं जा सकता था। इस प्रकार किसी देश की हिम्मत नहीं कि नरेंद्र भाई मोदी के होते हुए हमारे देश की ओर देख भी पाए। अपने संबोधन में बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को संविधान के बारे में, संविधान के अंदर समाहित हमारे जो अधिकार है, जो कर्तव्य है, उनकी विस्तारपूर्वक विवेचना की और युवा पीढ़ी को आगाह किया कि यदि आप अपने अधिकारो का संविधान के अनुसार आनंद उठाना चाहते हो तो पहले आपको उसमें समाहित कर्तव्यो की पालना भी सीखनी होगी। तिरंगा के अंदर जिस प्रकार भगवा रंग शक्ति का प्रतीक है। सफेद रंग शांति का प्रतीक, हरा रंग हरित क्रांति का प्रतीक और अशोक चक्र धर्म का प्रतीक और अशोक चक्र के अंदर 24 तिलियाँ कर्म पहचानता का प्रतीक है। इस प्रकार हमें अपने जीवन के अंदर परिवर्तन लाना होगा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यो में खासकर संविधान के प्रति, राष्ट्रगान के प्रति, अपने कर्तव्यो के प्रति, पर्यावरण के प्रति, महिला सशक्तिकरण के प्रति, इन बातो का विशेष ध्यान रखना होगा। अंत में बोधराज सीकरी ने यहां पर इतने भव्य आयोजन, इतने भीड़ के दौरान अनुशासन दिखाते हुए यहां के भक्तो ने अपने जो भाव दिखाए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और बोधराज सीकरी ने कहा कि मेरा मन गदगद हो गया है। कि मैंने इतनी भीड़ में पाया कि 50 प्रतिशत से अधिक लोग श्रद्धालु यहां पर युवा थे और अनुशासन से न केवल उन्होंने पाठ किया। बल्कि धैर्य होकर श्री ओमप्रकाश शास्त्री जी के भागवत कथा के अतिरिक्त बोधराज सीकरी के वक्तव्य को भी ध्यान से सुना।यद्यपि इस आयोजन में बहुत से लोगो का योगदान था लेकिन इसमें विशेष भूमिका पंडित भीमदत्त जो श्याम जी मंदिर न्यू कॉलोनी के पुरोहित है और इसी मंदिर के प्रधान श्री बोधराज सीकरी है उनकी विशेष भूमिका रही जिन्होंने कथा के उपरांत और हनुमान चालीसा के उपरांत 2000 से अधिक लोगो के लिए भंडारे की व्यवस्था की थी। देखने के लायक दृश्य था किस प्रकार श्रद्धालु जन पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद भी ग्रहण कर रहे है और अपनी श्रद्धा भी ईश्वर के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे है। इस प्रकार युवा यदि परिवर्तित हो गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा राष्ट्र विश्व गुरु होगा।

इसके अतिरिक्त हर मंगलवार की तरह श्री जगन्नाथपुर शिव मंदिर ट्रस्ट ऑफ कैलाश में 60 साधकों ने शाम की बैठक में 5-5 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुल संख्या 300 हुई जिसे उपरोक्त संख्या में जोड़ा जाए तो ये आंकड़ा 2 लाख 77 हजार 900 हो गया। कुल लोगो की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17410 हो गई।

इस अवसर पर डॉ अल्का शर्मा, गजेन्द्र गोसाईं, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, संतोष पाहूजा, पूनम गोसाईं, पुष्पा नासा, ओम प्रकाश नासा, द्वारका नाथ मक्कड़, सीमा शर्मा, आशो पाहूजा, रणवीर रतन व गजमान की सूची में: पंडित भीम दत्त, राजिन्द्र, प्रदीप, धूप सिंह, जसवंत, भीम सिंह, मुकेश, धर्मीराम गुप्ता, वी 2 जली, शीतला माता कॉलोनी के सभी निवासी उपस्थित रहे।